SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Jute Handloom Weaver

जूट हथकरघा बुनकर हथकरघे पर जूट (पटसन) के रेशे से पर्यावरण-हितैषी उत्पाद बुनता है — बाज़ार में बिकने वाले जूट बैग, चटाई, टेबल-मैट, दीवार-सजावट, गिफ्ट आइटम और घरेलू सजावट का सामान। वह ताना-बाना सेट करता है, करघे को चलाता व उसका...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6309

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

जूट हथकरघा बुनकर हथकरघे पर जूट (पटसन) के रेशे से पर्यावरण-हितैषी उत्पाद बुनता है — बाज़ार में बिकने वाले जूट बैग, चटाई, टेबल-मैट, दीवार-सजावट, गिफ्ट आइटम और घरेलू सजावट का सामान। वह ताना-बाना सेट करता है, करघे को चलाता व उसका रख-रखाव करता है, धागे का तनाव व बुनाई की गुणवत्ता जाँचता है और डिज़ाइन के अनुसार साफ़-सुथरा बुना कपड़ा तैयार करता है। प्लास्टिक की जगह जूट की बढ़ती माँग के कारण यह एक हुनरमंद, कम लागत वाला और आत्मनिर्भरता देने वाला हरित शिल्प है, जिसमें स्वयं-सहायता समूह और घर-आधारित उद्यमिता के अच्छे अवसर हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 4)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹8,000–12,000/माह
कार्य-शैली	हस्तशिल्प/घर-आधारित; स्वरोज़गार का मौका

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- हाथ से बुनाई और हस्तशिल्प बनाने में रुचि
- रंग, डिज़ाइन और सुंदर उत्पाद बनाने का शौक
- पर्यावरण-हितैषी, प्राकृतिक सामग्री से काम करना पसंद

क्षमताएँ

- आँख और हाथ का अच्छा तालमेल
- शारीरिक रूप से स्वस्थ होना और निर्देशों का पालन करना
- ध्यान केंद्रित कर लंबे समय तक धैर्य से काम करना

ज़रूरी कौशल

- करघे पर ताना-बाना सेट करना और बुनाई करना
- जूट के धागे का तनाव, गाँठ और गुणवत्ता जाँचना
- रंगाई, डिज़ाइन और फिनिशिंग की बुनियादी समझ
- लागत, माप और छोटे ऑर्डर का हिसाब रखना
- हथकरघा का संचालन, समायोजन और रख-रखाव
- जूट बैग, चटाई, मैट व सजावटी उत्पाद तैयार करना
- कार्यस्थल पर स्वास्थ्य व सुरक्षा का ध्यान

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. जूट हथकरघा बुनकर (एनएसक्यूएफ लेवल 4) कोर्स के लिए एनएसडीसी/जन शिक्षण संस्थान/कौशल केंद्र में नामांकन करें।
3. राष्ट्रीय जूट बोर्ड या बुनकर सेवा केंद्र के जूट-उत्पाद डिज़ाइन व बुनाई प्रशिक्षण में भाग लें।
4. किसी बुनाई एजेंसी, जूट क्लस्टर या स्वयं-सहायता समूह के साथ जुड़कर व्यावहारिक अनुभव लें।
5. पीएम विश्वकर्मा में कारीगर के रूप में पंजीकरण कर टूलकिट व ऋण सहायता लें।
6. घर पर हथकरघा हो तो एजेंसियों/एक्सपोर्टरों से ऑर्डर लेकर स्वरोज़गार शुरू करें।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड (National Jute Board), वस्त्र मंत्रालय — कोलकाता / अखिल भारतीय प्रशिक्षण
- बुनकर सेवा केंद्र (Weavers' Service Centre), विकास आयुक्त (हथकरघा) — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://handlooms.nic.in/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- इंडिया हैंडलूम ब्रांड – बुनकर सेवा केंद्र संपर्क — अखिल भारतीय (https://www.indiahandloombrand.gov.in/pages/contact-details-of-wscs)
- Two Shaft Handloom Weaver (NSDC क्वालिफिकेशन पैक) — अखिल भारतीय (https://nsdcindia.org/two-shaft-handloom-weaver)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड – जूट एकीकृत विकास योजना (प्रशिक्षण) — ऑनलाइन

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जन शिक्षण संस्थान, आरएसएलडीसी, राष्ट्रीय जूट बोर्ड, बुनकर सेवा केंद्र) में यह प्रशिक्षण नि:शुल्क या बहुत कम शुल्क पर मिलता है और अक्सर स्टाइपेंड भी दिया जाता है। निजी हस्तशिल्प संस्थानों के जूट-क्राफ्ट कोर्स की फीस लगभग ₹3,000–15,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- PM Vishwakarma (कारीगर टूलकिट, ऋण व प्रशिक्षण सहायता) (https://pmvishwakarma.gov.in/)
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड – जूट एकीकृत विकास योजना (प्रशिक्षण सहायता)
- हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना (विकास आयुक्त, हथकरघा) (https://handlooms.nic.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

जूट शिल्प बुनाई एजेंसियां, जूट क्लस्टर व निर्माण इकाइयाँ, हस्तशिल्प व निर्यात हाउस, स्वयं-सहायता समूह और घर-आधारित करघा इकाई।

कार्य-संस्कृति

एक सामान्य कार्यदिवस 8–9 घंटे और सप्ताह में लगभग 6 दिन का होता है। काम मुख्यतः बैठकर, हाथ-पैर के तालमेल से होता है; घर से भी किया जा सकता है। यह क्षेत्र महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए भी अनुकूल है और लचीले समय की सुविधा देता है।

कौन नौकरी देता है

- जूट विविध उत्पाद (JDP) निर्माता और जूट बैग बनाने वाली इकाइयाँ
- स्वयं-सहायता समूह (SHG), महिला मंडल और उत्पादक सहकारी समितियाँ
- हैंडलूम/हस्तशिल्प एम्पोरियम व खादी ग्रामोद्योग बिक्री केंद्र
- हस्तशिल्प निर्यातक और कॉर्पोरेट गिफ्टिंग कंपनियाँ
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड समर्थित क्लस्टर व जूट सेवा केंद्र
- घर-आधारित स्वरोज़गार व ई-कॉमर्स (Amazon Karigar, अमेज़न/फ्लिपकार्ट, Etsy)

माँग (2026)

प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 'सस्टेनेबल लिविंग' के चलन से जूट के पर्यावरण-हितैषी उत्पादों की माँग देश और विदेश दोनों में तेज़ी से बढ़ रही है। जूट बैग, चटाई और सजावटी सामान की खपत लगातार बढ़ रही है और जूट विविध उत्पादों का निर्यात नए बाज़ारों तक पहुँच रहा है। सरकार की जूट पैकेजिंग अनिवार्यता, राष्ट्रीय जूट बोर्ड की योजनाएँ और स्वयं-सहायता समूहों को मिल रहा समर्थन इस हरित शिल्प को स्थिर व बढ़ता करियर बनाते हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्रशिक्षु बुनकर
2. जूट हथकरघा बुनकर
3. पर्यवेक्षक / मास्टर बुनकर
4. जूट-क्राफ्ट उद्यमी / निर्यातक

कमाई

शुरुआत	₹8,000–12,000/माह
मध्य स्तर	₹13,000–22,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹25,000–50,000+/माह (उद्यमिता)

शुरुआती मज़दूरी-आधारित बुनाई में आय सीमित होती है (एम्बिशनबॉक्स के अनुसार लगभग ₹10,000–11,000/माह), और शुद्ध हथकरघा मज़दूरी अक्सर कम रहती है। परंतु मूल्यवर्धित जूट उत्पाद, डिज़ाइन, स्वयं-सहायता समूह और स्वरोज़गार/निर्यात के रास्ते से आय बहुत बढ़ जाती है — कई महिला समूह सालाना लाखों में कमाई करते हैं। आँकड़े 2026 के अनुमानित हैं और स्थान, कौशल व ऑर्डर के अनुसार बदल सकते हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- पर्यावरण-हितैषी, बढ़ती माँग वाला हरित शिल्प
- कम लागत, घर से काम और स्वरोज़गार/उद्यमिता का मौका
- महिलाओं, स्वयं-सहायता समूहों व दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल

चुनौतियाँ

- मज़दूरी-आधारित शुद्ध बुनाई में शुरुआती आय कम होती है
- लंबे समय बैठकर काम, आँख व हाथ पर ज़ोर
- आय ऑर्डर, मौसम और बाज़ार पर निर्भर, थोड़ी अनिश्चितता

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Saurav Modi
'जस्ट जूट' के संस्थापक, जूट-उत्पाद उद्यमी, बेंगलुरु

23 साल की उम्र में एर्न्स्ट एंड यंग की नौकरी छोड़कर सौरव मोदी ने 2005 में अपनी माँ से उधार लिए सिर्फ़ ₹8,000 और एक पुरानी सिलाई मशीन के साथ 100 वर्ग फुट के गैराज से 'जस्ट जूट' शुरू किया। जूट के बैग, फोल्डर, बेल्ट, वॉलेट और कॉर्पोरेट गिफ्ट बनाते हुए उन्होंने कंपनी को यूरोप तक निर्यात करने वाले ब्रांड में बदल दिया, जिसका कारोबार करोड़ों में पहुँचा और सैकड़ों लोगों को रोज़गार मिला। उनकी कहानी बताती है कि जूट जैसे साधारण, पर्यावरण-हितैषी शिल्प से भी मेहनत और डिज़ाइन के दम पर बड़ा उद्यम खड़ा किया जा सकता है।

The Weekend Leader · https://www.theweekendleader.com/Success/2545/destiny-in-jute.html

Shyama Devi
अध्यक्ष, महिला जागृति समूह; जूट-बैग निर्माण उद्यमी, उत्तराखंड

देहरादून के फतेहपुर गाँव की श्यामा देवी कभी एक साधारण ग्रामीण गृहिणी थीं। महिला जागृति समूह की अध्यक्ष बनकर उन्होंने जूट बैग बनाने और ब्लॉक-प्रिंटिंग व डिज़ाइनर बैग का प्रशिक्षण लिया, जिससे समूह की महिलाओं को रोज़गार मिला और समूह का सालाना कारोबार लगभग ₹1.14 करोड़ तक पहुँचा। इस उपलब्धि पर उन्हें राज्य स्तरीय महिला सम्मान पुरस्कार मिला और आज वे उद्यमिता विकास की मास्टर ट्रेनर हैं। उनका सफ़र उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो जूट शिल्प व स्वयं-सहायता समूह से आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं।

ICAR · https://www.icar.org.in/en/node/4707

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – जूट हथकरघा बुनकर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%9c%e0%a5%82%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%a5%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%98%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%95%e0%a4%b0/

2. विकास आयुक्त (हथकरघा) – बुनकर सेवा केंद्र — https://handlooms.nic.in/

3. PM विश्वकर्मा योजना — https://pmvishwakarma.gov.in/

4. ओडिशा गाँव की महिलाएँ जूट से लाखों कमा रहीं (ETV Bharat) — https://www.etvbharat.com/en/offbeat/eco-friendly-jute-binds-women-who-run-a-rural-entreprise-in-odisha-village-fetching-them-lakhs-enn26020601602

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in